बद्रीनाथ की आरती

पवन मन्द सुगन्ध शीतल हेम मन्दिर शोभितम्।

निकट गंगा बहत निर्मल श्रीबद्रीनाथ विश्वम्भरम्।

शेष सुमिरन करत निशदिन धरत ध्यान महेश्वरम्।

श्रीवेद ब्रह्मा करत स्तुति श्री बद्रीनाथ विश्वम्भरम्।

शक्ति गौरी गणेश शारद नारद मुनि उच्चारणम्।
जोग ध्यान अपार लीला श्री बद्रीनाथ विश्वम्भरम्।

इन्द्र चन्द्र कुबेर धुनि कर धूप दीप प्रकाशितम।
सिद्ध मुनिजन करत जै जै श्रीबद्रीनाथ विश्वम्भरम्।

श्रीलक्ष्मी कमला चँवरडोले श्रीबद्रीनाथ विश्वम्भरम्।
यक्ष किन्नर करत कौतुक ज्ञान गन्धर्व प्रकाशितम्।

कैलाश में एक देव निरन्जन शैल शिखर महेश्वरम्।
राजा युधिष्ठिर करत स्तुति श्रीबद्रीनाथ विश्वम्भरम्।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

श्री बद्रीजी के पंच रत्न पढ़त पाप विनाशनम्।

कोटि तीर्थ भवेत् पुण्य प्राप्यते फलदायकम्।

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य आरतिया पढ़ें

- गणेश जी
- हनुमान जी
- शनि देव
- अम्बे तू है जगदम्बे
- ओम जय जगदीश हरे
- साईं बाबा
- बालाजी
- बाबा रामदेव जी
- रविदास जी
- महावीर भगवान
- शारदा माता
- भैरव आरती
- राधा जी
- पितर
- पार्वती जी
- आरती कुंजबिहारी

- जय शिव ओंकारा
- अन्नपूर्णा माता
- महालक्ष्मी जी
- ब्रह्मा जी
- तुलसी माता
- शाकंभरी माता
- गंगा मैया
- प्रेतराज सरकार
- सूर्य भगवान
- परशुराम जी
- नर्मदा जी
- बटुक भैरव
- कृष्ण आरती
- श्री विंध्येश्वरी
- विश्वकर्मा जी
- बाबा गंगाराम जी
- शीतला माता
- बगलामुखी आरती
- जाहरवीर बाबा
- आरती ललिता जी की

हिंदीपथ.कॉम

- गुरु गोरखनाथ
- रघुवर लला
- लड्डू गोपाल
- गीता जी
- बद्रीनाथ
- श्री रामायण जी
- सरस्वती माता
- गौ माता
- केदारनाथ की
- बाबा बालक नाथ की
- श्री भागवत भगवान
- गोलू देवता की

हिन्दीपथ.कॉम